10
1-1

उत्तर मध्य रेलवे
कार्य अध्ययन प्रकोष्ठ

कार्य अध्ययन रिपोर्ट
प्रयागराज मंडल के इंजीनियरिंग विभाग में वरि.मंडल अभियन्ता/सम./उमरे/प्रयागराज के अधीनस्थ कार्यरत मेसन एवं मेठ संवर्ग के कार्य की समीक्षा

कार्य अध्ययन सं.– म.प्र./उ.म.रे./का.अ./1–III/20–21

मार्गदर्शन एवं निर्देशन

श्री नवीन कुमार सिन्हा
वरिष्ठ उप महाप्रबंधक

व

श्री मन्नू प्रकाश दूबे
उप महाप्रबंधक/सामान्य

एवं

सहयोग

श्री संतोष बाजपेयी
कार्य अध्ययन अधिकारी

सम्पादित

चन्द्र प्रकाश राय
वरि. कार्य अध्ययन निरीक्षक

10
1-2

अनुक्रमणिका

क्रम संख्या	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	अधिशासकीय सार	2
2.	आभार एवं संस्तुति सारांश	3
3.	अध्याय– प्रथम प्रस्तावना एवं संदर्भित सीमायें	4
4.	अध्याय– द्वितीय कर्मचारी संख्या एवं कार्य का विवरण	5–6
5.	अध्याय–तृतीय वित्तीय परिणाम एवं संस्तुति	7

10
1-3

अधिशासकीय सार

1.	कार्य अध्ययन का नाम	प्रयागराज मंडल के इंजीनियरिंग विभाग में वरि. मंडल अभियन्ता (सम.)/उमरे/प्रयागराज के अधीनस्थ कार्यरत मेसन एवं मेठ संवर्ग के कार्य की समीक्षा
2.	कर्मचारी की श्रेणी	ग्रुप सी एण्ड डी (मेसन एवं मेठ)
3.	विभाग का नाम	इंजीनियरिंग विभाग
4.	कार्य अध्ययन वर्ष	2020–21
5.	प्रारम्भ की तिथि	17.11.2020
6.	पूर्ण होने की तिथि	18.12.2020
7.	स्वीकृत पदों की संख्या	77+16=93
8.	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	28+01=29
9.	अभ्यर्पण हेतु प्रस्तावित पद	8+10=18
10.	वित्तीय बचत	Rs. 66,92,868/- (छियाछठ लाख बानबे हजार आठ सौ अरसठ)

10
1-4

. आभार

कार्याध्ययन दल श्री एस.के.गुप्ता, वरि.मंडल अभियन्ता/सम./उमरे/प्रयागराज, प्रयागराज मंडल एवं मंडल अभियन्ता/रेल पथ का गहन आभारी है जिन्होने इस कार्याध्ययन में अपना बहुमूल्य समय एवं मार्ग दर्शन प्रदान किया है। साथ ही साथ कार्य अध्ययन दल श्री पी.के.श्रीवास्तव, एस.एस.ई./योजना/प्रयागराज का विशेष आभारी है। जिन्होने इस कार्य अध्ययन हेतु महत्वपूर्ण सूचनायें उपलब्ध कराने में अपना बहुमूल्य समय एवं समुचित सहयोग प्रदान किया है।

संस्तुति सारांश

कार्य अध्ययन में पाया गया कि प्रयागराज मंडल के इंजीनियरिंग शाखा में मेसन संवर्ग के विभिन्न ग्रेडों मे कुल 77 पद स्वीकृत है जिसमें 28 कर्मचारी कार्यरत (आनरोल) है एवं सभी ग्रेडो में वर्तमान में 49 पद रिक्त चल रहे है । इसी तरह मेठ संवर्ग में वर्तमान में जी.पी. 1800 में कुल 16 पद स्वीकृत है जिसमें से 01 कर्मचारी कार्यरत (आनरोल) है जिसमें से वर्तमान 15 पद रिक्त चल रहे है। मेसन संवर्ग के कार्य अध्ययन के बावत मौखिक रुप से जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि मेसन संवर्ग का कार्य वर्तमान में फिरोजाबाद/कानपुर में आउट सोर्सिंग के माध्यम से सम्पन्न कराये जा रहे है एवं मेठ संवर्ग के बारे में श्री पी.के. श्रीवास्तव, वरि.खण्ड अभि./योजना अधीन वरि.मंडल इंजी./सम./प्रयागराज से सम्पर्क करने पर जानकारी हुई कि वरि.खण्ड अभि./कार्य के अधीन कार्य कर रहे, कर्मचारियों के कार्यो का देख रेख करना होता था। जो अब वर्तमान में यह कार्य मेठ के द्वारा नही कराते हुये वरि. खण्ड अभि./कार्य के द्वारा स्वयं सम्पादित किये जा रहे है इसलिये मेठ संवर्ग की आवश्यकता अब मंडल में इतनी नहीं रह गयी है।

अतः कार्य अध्ययन दल, इजीनियरिंग विभाग, प्रयागराज मंडल में मेसन जीपी.2800 में रिक्त 32 पदो में से 08 मेसन के पद एवं मेठ जीपी 1800 में रिक्त 15 पदो में से 10 पदो को मिलाकर कुल 18 पदों को अभ्यर्पित करने की संस्तुति करता है। इससे कुल वार्षिक बचत रु0 Rs. 66,92,868/- छियाछठ लाख बानबे हजार आठ सौ अरसठ)

10
1-5

अध्याय–प्रथम

प्रस्तावना एवं संदर्भित सीमायें

भारतीय रेलवे में आउटसोर्सिंग का समावेश होने से कई प्रकार के कार्यों को सम्पादित करने में तथा मैन पावर की कमी से निपटने में सरलता हुई है। रेलवे में कुछ कार्य वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आवश्यक नहीं रह गये है एवं उस कार्य को करने वाले कर्मचारी दूसरे कार्य में प्रयोग किये जा रहे है। इस विषय में इंजीनियरिंग विभाग में मेसन ग्रुप–सी एंव मेठ ग्रुप–डी संवर्ग के कार्य की समीक्षा विषय के कार्यो का अध्ययन करने पर संज्ञान में आया कि प्रयागराज मंडल के इंजीनियरिंग शाखा में मेसन एवं मेठ संवर्ग को मिलाकर वर्तमान में कुल 77+16=93 के स्वीकृत पदो में से 28+01=29 आनरोल है एवं बाकी 64 पद रिक्त चल रहे है। इन रिक्त पदो में से मेसन ग्रुप–सी संवर्ग के 08 पद एवं मेठ ग्रुप–डी संवर्ग के 10 पदो को मिलाकर कुल 18 पदों का अभ्यर्पण करना उचित रहेगा। इस प्रकार कार्य संवर्धन के साथ–साथ कर्मचारी लागत पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, जिससे रेल की कार्यक्षमता को बढाया जा सके।

वरिष्ठ उप महाप्रबंधक महोदय के निर्देश पर कार्य अध्ययन प्रकोष्ठ द्वारा प्रयागराज मंडल के इंजीनियरिंग विभाग में वरि.मंडल अभियन्ता/सम./उमरे/प्रयागराज के अधीनस्थ कार्यरत मेसन ग्रुप–सी एंव मेठ ग्रुप–डी संवर्ग के कार्य की समीक्षा विषय को कार्य अध्ययन हेतु चुना गया। यह कार्य अध्ययन वरिष्ठ उप महाप्रबंधक महोदय द्वारा वर्ष 2020–21 के लिए अनुमोदित कार्य अध्ययन सूची से उद्वृत है।

वर्णित कार्य अध्ययन वरि.मंडल अभियन्ता/सम./उमरे/प्रयागराज के प्रशासनिक नियंत्रण में निहित है।

10
1-6

अध्याय–द्वितीय

कर्मचारी संख्या एवं कार्य का विवरण

2. कर्मचारी संख्याः– वरि.मंडल अभियन्ता/सम./उमरे/प्रयागराज मंडल के अधीनस्थ कार्यरत मेसन ग्रुप–डी एवं मेठ ग्रुप–डी संवर्ग के स्वीकृत एवं वास्तविक पद संख्या का विवरण निम्नवत है।

प्रयागराज मंडल/इंजीनियरिंग शाखा

क्र. सं0.	पदनाम	वेतनमान	स्वीकृत सं0	कार्यरत सं0	रिक्त पद
1.	मेसन	5200-20200 GP-4200 (Level- VI)	12	02	10
		5200-20200 GP-2800 (Level-V)	34	02	32
		5200-20200 GP-2400 (Level-IV)	15	06	09
		5200-20200 GP-1900 (Level-II)	16	18	–02
2.	मेठ	5200-20200 GP-1800 (Level-I)	16	01	15
		कुल	93	29	64

कार्य का विवरणः– कार्य अध्ययन में पाया गया कि प्रयागराज मंडल के इंजीनियरिंग शाखा में मेसन संवर्ग में क्रमशः जी.पी. 4200 में 12 पद जीपी. 2800 में 34 पद जी.पी. 2400 में 15 पद एवं जी.पी. 1900 में 16 पदो को मिलाकर कुल 77 पद स्वीकृत है जिसमें क्रमशः सभी ग्रेडो में 28 कर्मचारी कार्यरत (आनरोल) है एवं सभी ग्रेडो में क्रमश वर्तमान में 49 पद रिक्त चल रहे है । इसी तरह मेठ संवर्ग में वर्तमान में जी.पी. 1800 में कुल 16 पद स्वीकृत है जिसमें से 01 कर्मचारी कार्यरत (आनरोल) है जिसमें से वर्तमान 15 पद रिक्त चल रहे है।

10
1-7

यह संवर्ग इंजीनियरिंग शाखा, प्रयागराज के नियंत्रण में है। उक्त दोनो संवर्गो के अभ्यर्पित किये जाने के बावत पूछे जाने पर बताया गया कि मेसन संवर्ग सम्बन्धित कार्य फिरोजाबाद/कानपुर में आउट सोर्सिग के माध्यम से सम्पन्न कराये जा रहे है । इसी तरह मेठ संवर्ग के बारे म कार्य अध्ययन के मोखिक रुप से जानकारी करने पर संज्ञान में आया कि मेठ संवर्ग का कार्य वरि.खण्ड अभि./कार्य के अधीन कार्य कर रहे, कर्मचारियों के कार्यो का देख रेख करना होता था। जो अब वर्तमान में यह कार्य मेठ के द्वारा नही कराते हुये वरि.खण्ड अभि./कार्य के द्वारा स्वंम सम्पादित किये जा रहे है इसलिये मेठ संवर्ग की आवश्यकता अब मंडल में इतनी नहीं रह गयी है।

2.1 उसके बावजूद भी उक्त दोनो संवर्गो में वर्तमान में कार्य सुचारु रुप से संचालित हो रहे है। मेसन जीपी.2800 में रिक्त 32 पदो में से 08 मेसन के पद एवं मेठ जीपी 1800 में रिक्त 15 पदो में से 10 पंदो को मिलाकर कुल 18 पदों को अभ्यर्पित किया जा सकता है।

अध्याय–तृतीय

अध्याय–तृतीय

3. इस कार्य अध्ययन में दी गयी अभ्यर्पित पदो की संस्तुतियों के कियान्वयन के फलस्वरुप रेल राजस्व में होने वाली बचत के प्रति पद का आकलन निम्नवत किया गया :–

क्र. स.	पदनाम	वेतनमान	पद सं0	औसत मासिक मूल्य प्रति पद (रु0 में)	कुल मासिक मूल्य (रु0 में)	वार्षिक आवर्ती बचत (रु0 में)
1.	मेसन	VI-CPC 5200-20200 GP-2800 (Level-V) VII-CPC	08	39370.5/	3,14,964/	Rs. 37,79,568/-
2.	मेठ	VI-CPC 5200-20200 GP-1800 (Level-I) VII-CPC	10	24277.50/	24,27,75/	Rs. 29,13,300/-
					कुल	**Rs. 66,92,868/-**
(छियासठ लाख बानबे हजार आठ सौ अरसठ मात्र)						

3.1 सस्तुति :– कार्य अध्ययन में पाया गया कि प्रयागराज मंडल के इंजीनियरिंग शाखा में मेसन ग्रुप–सी एवं मेठ ग्रुप–डी संवर्ग में 64 रिक्त पदो में से 08 पद मेसन ग्रुप–सी एवं 10 पद मेठ ग्रुप–डी के संवर्गो को मिलाकर दोनो संवर्गो में कुल 08+10=18 पदों को अभ्यर्पित किया जा सकता है। यह संवर्ग इंजीनियरिंग शाखा, प्रयागराज के नियंत्रण में है।